an>

Title: Need to commence welfare schemes in the name of freedom fighter Shri Chandra Shekhar Azad and Shri Bal Ganga Dhar Tilak.

श्री शरद त्रिपाठी (संत कबीर नगर): सभापति महोदय, आज मैं जो विषय आपके सामने ले कर आया हूँ उसमें यह पीड़ा भी है कि जिन लोगों ने आज हम सब को यहां प्रश्न पूछने के लायक खड़ा किया है, आज उनको ही हम सब भूलते जा रहे हैं। मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान दिलाना चाहूंगा कि आज भारत माँ के महान सपूत श्रद्धेय चंद्रशेखर आजाद जी का जन्मदिन है। दूसरे महापुरूष श्रद्धेय बाल गंगाधर तिलक का भी जन्मदिन है, लेकिन आज पीड़ा होती है कि जिन वीरों ने स्वच्छंद तिरंगा भारत पर लहराया और मिली न उनको एक दिवस भी इसकी शीतल छाया। आज उनको श्रद्धा सुमन अर्पित करने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। यह पीड़ा लेकर आज मैं इस सदन में आया हूं। मैं कहना चाहूंगा कि आज इस पर परिचर्चा होनी चाहिए थी। आज सुबह ही पूरे सदन को एक साथ उनको श्रद्धांजलि देनी चाहिए थी, लेकिन कष्ट होता है कि आज उनकी तुर्बत में नहीं है एक भी दिया, जिसके खूं से जलते थे चिरागे वतन और जगमगा रहे है मकबरे आज उनके, जो कभी बेचा करते थे शहीदों का कफन।

HON. CHAIRPERSON: This is a matter, which has to be brought to the attention of the hon. Speaker.

...(*Interruptions*)

श्री शरद त्रिपाठी (संत कबीर नगर): महोदय, यह बहुत महत्वपूर्ण विषय है।...(व्यवधान) आप इसको अपने बड़प्पन से काटिए मत, आप मेरी यह पीड़ा दर्ज करिए।...(व्यवधान)

महोदय, मैं आपके माध्यम से पूरे सदन की भावना के साथ निवेदन करना चाहूंगा कि...(व्यवधान) मेरी अंतिम बात सुन लीजिए कि आप सरकार को यह निर्देश देने का काम कीजिए कि उनके नाम पर कोई योजना चलायी जाये।